सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 326 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 4 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए।
-बी.आर. अम्बेडकर

भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर 145 रन की... 7 | बढ़ेगा इंडिया गठबंधन का... 3 | भाजपा का एकमात्र एजेंडा है... 2

पीएम मोदी खुद बांटे, लेकिन विपक्षी नेताओं को डांटे

मोदी ने मिसेज बाइडन को तोहफे में दिया 20 हजार डालर का हीरा

यूक्रेनी राजदूत ब्रुनेई के सुल्तान, मिस्र, इजरायल दक्षिण कोरिया और यूक्रेनी राष्ट्रपति को पीएम मोदी ने महंगा तोहफा देने के मामले में पछाड़ा

» अमेरिकी राष्ट्रपति की पत्नी को दिये गये महंगे तोहफे पर पूरे विश्व में हो रही है पीएम की आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोचिय-समझिये और चिंतन कीजिए। भारत देश के किसी राज्य का मुख्यमंत्री यदि जनहित में योजना बना कर समाजिक उत्थान के लिए लोगों का भला करे तो यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृष्टि में रेवड़ी कल्चर है। लेकिन अमेरिकन राष्ट्रपति की पत्नी जिल बाइडेन को मिले तोहफों में बेश्कीमती और सबसे महंगा तोहफा भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिया गया साढ़े सात कैरेट का डायमंड निकले और उसकी कीमत 20 हजार डालर हो तो यह कल्चर है।

पीएम मोदी ने तोहफा देने के मामले में विश्व के सबसे रईस ब्रुनेई के सुल्तान को पछाड़ते हुए मिसेज बाइडन को 20 हजार डालर का डायमंड गिफ्ट कर दिया। इस गिफ्ट को लेकर पूरे विश्व में पीएम मोदी की आलोचना हो रही है और कहा जा रहा है कि जब विश्व के रईस देशों में शुमार ब्रुनेई के सुल्तान ने इतना महंगा गिफ्ट नहीं दिया तो फिर भारत को भी ऐसा नहीं करना चाहिए था। बहरहाल ऐसे समय में जब देश में आर्थिक संतुलन न हो और डालर के मुकाबले रूपया लगातार रसातल में पहुंच रहा हो तो महंगा तोहफा देकर स्वंय को विश्वगुरू की अनुभूति करना तुक था या बेतुका,यह देश की आम जनता को अपने हिसाब से अनुमान लगाना चाहिए। पर कुल मिलाकर अपनी कथनी व करनी में अंतर करने में कई बार भाजपा के नेता फंस चुके हैं। खासतौर से प्रधानमंत्री जिन्होंने कई बार सार्वजनिक मंचों से अपनी पार्टी के नेताओं से उपहार के रूप में विदेशी अतिथियों को किताब देने की बात कही, पर जब अपनी बारी आई तो वह ऐसा नहीं कर सके।

पीएम मोदी का इतना महंगा गिफ्ट देने पर उठ रहे सवाल

यह सवाल इस समय प्रासंगिक है कि क्या प्रधानमंत्री को इतना महंगा उपहार देना चाहिए था, जब देश की हालत ऐसी है कि जनता को बुनियादी सेवाएं भी पूरी नहीं मिल पा रही हैं। यदि सरकार का ध्यान विदेश नीति और कूटनीतिक रिश्तों को मजबूत बनाने पर है, तो इसका एक दूसरा तरीका हो सकता था, जिससे देश के भीतर संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सके। इसके बजाय महंगे उपहारों की बजाय ऐसी नीतियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो सीधे तौर पर आम लोगों के जीवन में सुधार लाएं।

2023 में पीएम ने साढ़े सात कैरेट का हीरा दिया था

दरअसल प्रधानमंत्री मोदी द्वारा वर्ष 2023 में अमेरिका के राष्ट्रपति को साढ़े सात कैरेट का हीरा गिफ्ट किया था जिसकी कीमत 20 हजार डालर थी। यहां तक सब ठीक था। विवाद की शुरूआत अमेरिकन विदेश विभाग द्वारा राष्ट्रपति जो बाइडेन को मिले उपहारों की आडिट रिपोर्ट को पब्लिश करने के बाद हुई हैं। जो रिपोर्ट प्रकाशित की गयी है उसमें पीएम मोदी से महंगा गिफ्ट विश्व के किसी भी नेता द्वारा अमेरिकन राष्ट्रपति को नहीं दिया गया है। चाहे वह दक्षिण कोरिया के महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक योल या फिर ब्रुनेई के सुल्तान हो। राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके परिवार को 2023 में विदेशी नेताओं से हजारों डॉलर के उपहार मिले। इनमें सबसे महंगा गिफ्ट प्रथम महिला जिल बाइडेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। अमेरिकी विदेश विभाग ने सभी उपहारों का वार्षिक लेखा-जोखा प्रकाशित किया जिसमें यह जानकारी सामने आई। पीएम मोदी का 7.5 कैरेट का हीरा, 2023 में प्रथम परिवार के किसी भी सदस्य को मिला सबसे महंगा उपहार था।

कई बार मोदी रेवड़ी कल्चर पर दे चुके हैं भाषण

मोदी सरकार द्वारा जनहित में जारी सरकारी योजनाओं की रेवड़ी कल्चर कह कर न सिर्फ आलोचना की जाती है बल्कि मामला कोर्ट कचहरी तक खींचा जाता है। बीजेपी की नजर में दिल्ली के सीएम केजरीवाल जनता के पैसे से चुनावी लाभ उठाने की कोशिश करतें हैं ।ऐसे में प्रधानमंत्री द्वारा विदेशी नेताओं को महंगे उपहार देने से यह विचार बल पकड़ता है कि सरकार की नीति में एक तरह का विरोधाभास है। अगर भारत में इस समय सरकारी योजनाओं और उपहारों को लेकर इतनी कड़ी आलोचनाएं हो रही हैं, तो महंगे उपहार का यह कृत्य इसे और बढ़ा सकता है।

लगातार बढ़ रहा है कर्ज का बोझ

भारत पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। 2023-24 के बजट के अनुसार भारत सरकार का कुल कर्ज करीब 156 लाख करोड़ तक पहुंच चुका है। विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से लिया गया कर्ज भारत के सार्वजनिक वित्त का एक बड़ा हिस्सा बन गया है। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2023 में करीब 25 बिलियन डॉलर का कर्ज लिया था। यह कर्ज विकास कार्यों के लिए तो लिया जाता है, लेकिन इसके साथ ही देश को इसके ब्याज का भुगतान करना भी पड़ता है जो देश की वित्तीय स्थिति पर दबाव डालता है।

प्रति व्यक्ति पर कर्ज का हिस्सा

भारत में प्रति व्यक्ति कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ रहा है। 2023 में भारत के प्रति व्यक्ति पर कर्ज करीब 1,12,000 रूपयों तक पहुंच चुका था। यह कर्ज आने वाले वर्षों में हम सब के लिए वित्तीय दबाव का कारण बन सकता है। इस कर्ज के लिए सरकार को ब्याज का भुगतान करना होता है। जिससे संसाधनों का बड़ा हिस्सा कर्ज की अदायगी में चला जाता है। इस कर्ज के बोझ का सीधा असर सरकार की विकास योजनाओं और सामाजिक कार्यक्रमों पर पड़ता है।

क्यों दिया महंगा गिफ्ट

कूटनीतिक रिश्तों में उपहार देने का एक सामान्य तरीका होता है, लेकिन इन उपहारों की प्रकृति और कीमत का चुनाव सावधानी से किया जाना चाहिए। विदेशों में अच्छे संबंध बनाने के लिए महंगे उपहार देने की बजाय, व्यापारिक संबंध, साझेदारी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे उपायों को बढ़ावा दिया जा सकता है। मौजूदा समय में सरकार को अपनी योजनाओं में गरीबों, किसानों, और बेरोजगारों के लिए विशेष योजनाएं बनानी चाहिए, ताकि उनके जीवन में सुधार हो सके। प्रधानमंत्री द्वारा महंगे गिफ्ट देने की बजाय अगर देश के भीतर शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं, तो यह भारत के नागरिकों के लिए अधिक फायदेमंद होगा। इस समय भारत को अपनी आंतरिक समस्याओं को प्राथमिकता देनी चाहिए, और विदेशी संबंधों में इस तरह के गिफ्ट से बचना चाहिए, जो देश की आर्थिक स्थिति और सामाजिक संकटों से मेल न खाती हो।

कई लोगों के उपहार से कीमती रहा हीरा

जिल बाइडेन को मिले अन्य महंगे गिफ्ट्स में अमेरिका में यूक्रेनी राजदूत से 14,063 डॉलर मूल्य का एक ब्रोच, मिस्र के राष्ट्रपति और प्रथम महिला की तरफ से 4,510 डॉलर मूल्य का एक ब्रेसलेट, ब्रोच और फोटो एलबम शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति को भी कई बहुमूल्य उपहार प्राप्त हुए, इनमें दक्षिण कोरिया के महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक योल से मिला 7,100 डॉलर मूल्य का एक स्मारक फोटो एल्बम, मंगोलियाई प्रधानमंत्री से 3,495 डॉलर मूल्य की मंगोल योद्धाओं की मूर्ति, ब्रुनेई के सुल्तान से 3,300 डॉलर का चांदी का कटोरा, इजरायल के राष्ट्रपति से 3,160 डॉलर की स्टर्लिंग चांदी की ट्रे और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से 2,400 डॉलर मूल्य का एक कोलाज शामिल है।

भाजपा का एकमात्र एजेंडा है समाज को लड़ाना : अखिलेश

बोले- बीजेपी के कारण नया वर्ष भी रहेगा अंधकारमय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। सपा मुखिया ने कह भाजपा का नेतृत्व निर्जीव है। भाजपा समाज में नफरत फैलाती है। आर्थिक विषमता पैदा करती है। असमानता में वृद्धि करती है। भाजपा का एजेंडा ही समाज को लड़ाना है। नए वर्ष में भी नफरत फैलाने का काम शुरू कर दिया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में रहते युवा पीढ़ी का कोई भविष्य नहीं है। भाजपा के कारण नया वर्ष भी अंधकारमय रहेगा। दुनिया आगे बढ़ रही है। भाजपा समाज को पीछे धकेल रही है। सश्रा का दुरूपयोग करती है। भाजपा विचार शून्य पार्टी है। इसके पास भविष्य के लिए कोई कार्ययोजना नहीं है। भाजपा सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। शिक्षण संस्थाओं में अराजकता का माहौल बना दिया है। संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पीडीए के साथ भेदभाव करती है। समाजवादी पार्टी संविधान और लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ रही है। समाजवादी पार्टी पीडीए को अधिकार और सम्मान दिलाने के साथ सामाजिक न्याय के लिए कृत संकल्पित है। सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य 2027 का विधानसभा चुनाव है। समाजवादी पार्टी पर जनता का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है।

जनता ने बनाया सपा को प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी

जनता ने लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी बनाया है। 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बननी तय है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता जीवंत हैं। समाजवादी पार्टी के सिद्धांत सर्वश्रेष्ठ हैं। समाजवादी पार्टी का नेतृत्व बेदाग है। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं को शुभकामनाएं देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सभी को अनुशासन में रहकर एक दूसरे का सम्मान करना है। किसानों, नौजवानों और पीडीए के एजेंडा को जनता के बीच लेकर जाना है।

बेवजह हर चीज में विवाद पैदा करना ठीक नहीं : एसटी हसन

» कुमार विश्वास के बयान पर भड़के सपा के पूर्व सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। मशहूर कवि कुमार विश्वास ने हाल ही में मुरादाबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बिना नाम लिए एक फिल्म कलाकार के बेटे के नाम पर टिप्पणी की, जिसे तैमूर से जोड़ा जा रहा है। उनके इस बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन ने प्रतिक्रिया दी। कुमार विश्वास का कहना है कि भारत जाग गया है,अब ऐसे लुटेरों के नाम पर ना तो हीरो बनने देंगे, ना गद्दार बनने देंगे।

इस सवाल के जवाब में सपा नेता ने कहा कि सैफ अली खान का क्या यह कह रहे हैं कि मैंने अपने बेटे का नाम तैमूर बादशाह के नाम पर रखा है. अगर वो ऐसा कहते हैं तो बात अलग है, लेकिन नाम तो नाम है उसका मुद्दा क्यों बनाया जा रहा है, बेवजह हर चीज में विवाद पैदा करना ठीक नहीं है. तैमूर नाम है और नाम तो कुछ भी कोई भी रख सकता है. उन्होंने आगे कहा कि कुमार विश्वास लोगों का अटेंशन लेने के लिए इस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं।मुरादाबाद के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन ने एक सवाल के जवाब में कुमार विश्वास की टिप्पणी पर तंज कसते हुए कहा कि तैमूर एक नाम है इसे कोई भी रख सकता है, तैमूर का मतलब बहुत ज्यादा मजबूत होता है, लोग अपने बच्चों का नाम बादशाहों के नाम पर भी रख लेते हैं, अब ये तो वो जानें कि उन्होंने बादशाह के नाम रखा था या एक नाम के तौर पर नाम पर रखा था।

सपा नेता ने आगे कहा कि यह हकीकत है कि तैमूर एक जालिम बादशाह था, उसने हिंदुस्तान पर हुकूमत भी की थी, बादशाह ने क्या किया, क्या नहीं किया उससे सैफ अली खान के बच्चे को क्यों जोड़ा जा रहा है? अगर सैफ अली खान ने अपने बच्चे का नाम तैमूर रखा तो इसमें क्या बुराई है। उन्होंने कहा कि लोग जयचंद नाम नहीं रखते हैं क्या? लोगों के जयचंद नाम गांवों में बहुत मिल जाएंगे, एक मुद्दा बनाने के लिए ये सही नहीं है, जयचंद भी एक देशद्रोही बादशाह था, पृथ्वीराज चौहान से उसका झगड़ा था, जयचंद मुल्क के गद्दारों से मिला हुआ था,उसने मुल्क से गद्दारी की थी लोग फिर भी उसके नाम पर अपने बच्चों का नाम रख लेते हैं।

सपा विधायक नसीम सोलंकी यूपी की रेप की घटनाओं को सीएम योगी के सामने उठाएंगी

उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी और उत्तराखंड की सभी महिला विधायकों के लिए सम्मेलन का आयोजन किया है, जिसमें यूपी की 48 और उत्तराखंड की 8 महिला विधायक शिरकत करेंगी। इस सम्मेलन का आयोजन महिलाओं को मजबूत और सशक्त करने के लिए किया है। इस सम्मेलन में विपक्ष की महिला विधायकों को भी न्योता दिया गया है। इनमें सपा की विधायक नसीम सोलंकी भी शामिल हैं। जो सीएम योगी के सामने रेप की घटनाओं को लेकर मुखर होती दिखेंगी। ये सम्मेलन 8 जनवरी 2025 को कानपुर में होना है इसके लिए तैयारियां की जा रही हैं. सभी महिला विधायकों को न्योता भेज दिया गया है। इस सम्मेलन की अगुवाई सीएम योगी आदित्यनाथ करेंगे और प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसमें महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण पर बारीकियों से चर्चा होगी। विधानसभा में किस तरह से महिलाओं के हित की आवाज को उठाना है इसके लिए प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। नसीम सोलंकी ने कहा कि वो महिलाओं के साथ आए दिन हो रही रेप की घटनाओं को देखते हुए महिला सुरक्षा के लिए इस सम्मेलन में आवाज बुलंद करेंगी। अभी भी बहुत सी महिलाएं ऐसी हैं जो कानून व्यवस्था से परेशान है। उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सही तरीके से नहीं मिल रहा है आने वाले समय में महिलाएं कैसे मजबूत हो सकती है जेल में बंद महिला कैदी, समाज में निकलकर नौकरी कर रही महिला की सुरक्षा, महिला सम्मान, रोजगार, और महिलाओं की आधी भागीदारी पर भी वो इस सम्मेलन में मुद्दों पर अपना पक्ष रखेंगी।

केंद्र का अड़ियल रवैया किसानों को मुसीबत में डाल रहा : हुड्डा

» किसान नेता डल्लेवाल की खराब सेहत पर पूर्व सीएम ने जताई चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चण्डीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किसान नेता जगजीत डल्लेवाल की खराब तबीयत पर चिंता जताई है। चंडीगढ़ में हुड्डा ने कहा कि डल्लेवाल की तबियत खराब है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बातचीत का रास्ता खुलना चाहिए लेकिन केंद्र सरकार का रवैया अड़ियल है।

हुड्डा ने कहा कि किसानों के नाम पर राजनीति हो रही है। बीजेपी हो या आम आदमी पार्टी दोनों किसान विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि 2022 तक आय बढ़ाने की बात थी लेकिन किसानों को एमएसपी नहीं मिल रही है। हुड्डा ने मनु भाकर को खेल रत्न मिलने पर बधाई दी। दिल्ली में पीएम की सौगात पर हुड्डा ने कहा कि अगर पीएम आवास नहीं देंगे तो कौन देगा।

धर्म को सियासत से अलग रखा जाना चाहिए : उमर अब्दुल्ला

» बोले- पीएम मोदी अजमेर दरगाह पर चादर भेजने की परंपरा जारी रखें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ हलकों के दबाव में नहीं आएंगे और अजमेर दरगाह पर चादर भेजने की वार्षिक परंपरा जारी रखेंगे। कहा कि धर्म को सियासत से अलग रखा जाना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं होता। धर्म के नाम पर वोट मांगे जा रहे हैं, राजनीति की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अजमेर दरगाह के साथ विभिन्न धर्मों के लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। सीएम ने कहा कि यह सही है कि सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने की कोशिश करने वालों पर रोक लगा दी है। जब कोर्ट कोई समग्र निर्णय लेगा, तो वह सभी के लिए बाध्यकारी होगा। उन्होंने कहा, मैं सुबह अपनी अलमारी यह सोचकर नहीं खोलता कि मैं उस दिन क्या पहनूंगा या कोई संदेश भेजने के उद्देश्य से पहनूंगा। मैं सोजनी टोपी पहनता हूं, क्योंकि यह मेरी विरासत का हिस्सा है। मैंने जम्मू में पगड़ी पहनी, क्योंकि मैं सभी संस्कृतियों का सम्मान करता हूं। इससे मेरा विश्वास कमजोर नहीं होता है। कहा, सरकार को धर्मनिरपेक्ष छवि पेश करने के लिए कुछ भी करने की जरूरी नहीं है। कश्मीर घाटी के लोग जब भी जरूरत पड़ती है, आगे आते हैं। हाल ही में हुई बर्फबारी के दौरान, हमने यह देखा है। लोगों ने पर्यटकों के लिए अपने घर और मस्जिद खोल दिए।

'माफीनामा लिखने वाले का महिमामंडन कर रही है भाजपा'

» कांग्रेस का सवाल सावरकर का दिल्ली में है क्या योगदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने फरवरी 2025 में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा पर ध्रुवीकरण का आरोप लगाया। भाजपा पर उनका हमला तब हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली विश्वविद्यालय के वीर सावरकर कॉलेज की आधारशिला रखने वाले हैं।

तिवारी ने कहा कि सावरकरजी का दिल्ली में कोई बड़ा योगदान नहीं है...उन्हें कॉलेज का नाम किसके नाम पर रखना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। तो आइए हम ध्रुवीकरण करें। वे किसी भी तरह माहौल को बिगाड़ना चाहते हैं। कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने भाजपा पर स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक कॉलेज के नामकरण के जरिये ऐसे व्यक्ति का महिमामंडन किया जा रहा है जिसने अंग्रेजों के समक्ष माफीनामा लिखा था।

बढ़ेगा इंडिया गठबंधन का कुनबा!

दिल्ली व बिहार विधानसभा चुनाव पर रहेगी सबकी नजर

» नीतीश फिर मार सकते हैं पलटी

» केजरीवाल की ताकत और होगी मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीतिक लड़ाई वाला 2024 खत्म हो चुका है। राजनीतिक दलों के लिए 2024 में जहां कुछ खुशियां और कुछ गम रहे। वहीं 2025 की चुनौतियां अब शुरू होती दिखाई दे रही है। 2025 राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद ही महत्वपूर्ण है। 2025 में इंडिया गठबंधन और एनडीए गठबंधन की कड़ी परीक्षा होती हुई दिखाई देगी। सभी की निगाहें हाल ही में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव पर भी रहेंगे।

साथ ही साथ साल के आखिर में बिहार में भी विधानसभा के चुनाव होंगे जो राजनीतिक लिहाज से बेहद ही महत्वपूर्ण है। 2015 में जब देश में प्रचंड मोदी लहर थी, उसके बावजूद भी बीजेपी को इन दोनों ही राज्यों में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। यह वही दोनों राज्य हैं जिसने समय समय पर विपक्ष को बड़ी संजीवनी दी है। हालांकि, यह बात भी सही है कि नीतीश कुमार की पलटीमार राजनीति सरकार और विपक्ष का समीकरण बदलते रहता है। दिल्ली और बिहार को लेकर भाजपा रणनीतियों को परिष्कृत करने के लिए राज्य के नेताओं के साथ कार्यशालाएं आयोजित कर रही है। इस बीच, कांग्रेस 2025 में अपने संगठन को फिर से मजबूत करने का इरादा रखती है, जिसका लक्ष्य अपनी पैठ मजबूत करना है। दोनों प्रमुख पार्टियां महत्वपूर्ण राज्यों में जीत हासिल करने के लिए संसाधन जुटाने और अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। आम आदमी पार्टी (आप), राष्ट्रीय जनता दल (राजद), जनता दल (यूनाइटेड) (जदयू) जैसी अन्य पार्टियां वर्ष 2025 के दौरान राजनीतिक स्पेक्ट्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

अक्टूबर-नवंबर में होगी बिहार विस की जंग

अक्टूबर-नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव 2025, 243 निर्वाचन क्षेत्रों में एक उच्च दांव वाली लड़ाई का वादा करते हैं। 2020 के चुनावों के बाद, नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का नेतृत्व किया, लेकिन अगस्त 2022 तक, वह राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन में शामिल हो गए, केवल जनवरी 2024 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में लौट आए।

इस राजनीतिक पुनर्गठन ने कुमार को केंद्रबिंदु बना दिया है। भाजपा और सहयोगी दल उनकी घटती लोकप्रियता की आलोचना के बावजूद उनके नेतृत्व का समर्थन कर रहे हैं। अब जन सुराज पार्टी का नेतृत्व कर रहे प्रशांत किशोर ने जदयू के खराब प्रदर्शन की भविष्यवाणी की है और कहा है कि अगर वह 20 से अधिक सीटें हासिल करती है तो वह संन्यास ले लेंगे। राजद, कांग्रेस और वामपंथियों वाला इंडिया ब्लॉक आंतरिक दरारों और दलबदल से जूझ रहा है, जिससे वर्तमान में इसकी स्थिति और कमजोर हो गई है। हालांकि इससे एनडीए को प्री-पेड बिजली मीटर और जहरीली शराब त्रासदी जैसे शासन संबंधी मुद्दों पर जनता के असंतोष से राहत मिली है।

सीएम नीतीश कुमार पर लालू प्रसाद के बयान से बढ़ी हलचल

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में रहेंगे या महागठबंधन शामिल होंगे? इन दिनों यह सवाल सभी लोग पूछ रहे हैं। इसी सवाल को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के सुपीमो लालू प्रसाद यादव ने जो बयान दिया है, वह चौंकाने वाला है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा है कि सीएम नीतीश कुमार के लिए दरवाजे खुले हुए हैं। वह साथ में आएं और काम करें। वह अगर महागठबंधन के साथ आना चाहते हैं तो आ जायें। इस बयान ने सियासी गलियारे में हलचल तेज कर दी। साथ ही एनडीए खेमे की बेचैनी भी बढ़ा दी है। दरअसल, एक जनवरी को राजद सुप्रीमो की पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का जन्मदिन था।

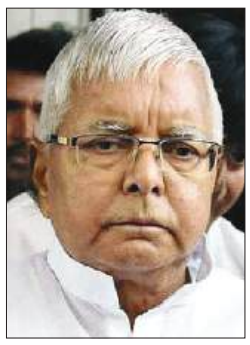

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान जन्मदिन को लेकर आयोजित किए गये समारोह में शामिल हुए थे। इसी दौरान पत्रकारों ने लालू प्रसाद से सीएम नीतीश कुमार लेकर सवाल किया तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता और सीएम नीतीश कुमार के लिए दरवाजे हमेशा खुले हुये हैं। इधर, कुछ दिन पहले ही तेजस्वी यादव ने कहा था कि सीएम नीतीश कुमार अब थक चुके हैं। उनके लिए महागठबंधन का दरवाजा बंद है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि सीएम नीतीश कुमार को लेकर जो भी फैसला होगा वह पार्टी आलाकमन करेगी। उनका फैसला हम सबके लिए सर्वमान्य होगा। इसके बाद अब लालू प्रसाद के इस बयान ने सबको चौंका दिया है।

फरवरी में हो सकते हैं दिल्ली में चुनाव

फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025, 70 निर्वाचन क्षेत्रों के भाग्य का फैसला करेंगे। 2020 में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में सरकार बनाने वाली आम आदमी पार्टी (आप) का नेतृत्व अब मुख्यमंत्री आतिशी कर रही हैं। जहां आप का लक्ष्य सत्ता बरकरार रखना है, वहीं विपक्षी दल भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस उसके एक दशक पुराने प्रभुत्व को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों ने आप पर शासन की विफलताओं का आरोप लगाया, जिसमें गंदे पानी की आपूर्ति, उच्च बिजली बिल, राशन कार्ड में देरी और पेंशन वितरण में चूक जैसे मुद्दे शामिल हैं। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 15 फरवरी, 2025 को समाप्त होने के साथ, चुनाव दिल्ली के प्रमुख राजनीतिक खिलाड़ियों के बीच एक भयंकर लड़ाई का वादा करता है।

दिल्ली में बिखरे विपक्ष पर नजर

दिल्ली में इंडिया गठबंधन पूरी तरीके से बिखरा हुआ नजर आ रहा है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। समाजवादी पार्टी से भी कांग्रेस की बात बनती हुई दिखाई नहीं दे रही है। इसके अलावा इंडिया गठबंधन में शामिल कुछ अन्य दल भी अपनी उम्मीदवार दिल्ली में उतार सकते हैं। दूसरी ओर एनडीए की बात करें तो जदयू ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि वह भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। चिराग पासवान की पार्टी को भी एक या दो सीट दिल्ली में लड़ने के लिए दिया जा सकता है। दिल्ली चुनाव जीतने के लिए भाजपा अपनी पूरी ताकत लगा रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यहां के साथ के साथ सीटें भाजपा की झोली में गई थी।

उठापटक और वैचारिक अंतर्विरोधों को भांपकर निकले थे नीतीश

कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी मोर्चे आईएनडीआईए में मची उठापटक और वैचारिक अंतर्विरोधों को भांपकर ही शायद नीतीश कुमार ने उससे किनारा किया था। यह एक तथ्य है कि नीतीश कुमार ही आईएनडीआईए के निर्माता-निर्देशक थे। उन्होंने इस गठजोड़ की पहल हिसार में 25 सितंबर 2022 को की थी। हिसार में चौधरी देवीलाल की जन्म-जयंती के अवसर पर नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव, फारूक अब्दुल्ला, शरद पवार, सीताराम येचुरी, डी. राजा और ओमप्रकाश चौटाला आदि उपस्थित थे। उस समय विपक्षी दलों की दशा-दिशा कमोबेश वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों से मेल खाती थी। टीएमसी, सपा, आम आदमी पार्टी समेत कई दल कांग्रेस के साथ मंच साझा करने को तैयार नहीं थे। नीतीश कुमार का कांग्रेस के साथ काम करने का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन व्यापक एकता के लिए वह कांग्रेस को आवश्यक मानते थे। उन्होंने कांग्रेस के बिना किसी व्यावहारिक विकल्प को नकार कर उसकी स्वीकार्यता पर जोर दिया। उन्होंने लालू प्रसाद के साथ सोनिया और राहुल गांधी से भेंट कर अपनी मुहिम को अंजाम तक पहुंचाया। जब छह महीने

> नीतीश कुमार ने पटना में जून 2023 को गठबंधन का पहला सफल आयोजन किया और कांग्रेस के प्रति बरती जा रही राजनीतिक अस्पृश्यता को तोड़ने का काम किया। तब अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी और अखिलेश यादव के साथ मंच पर सोनिया एवं राहुल गांधी भी उपस्थित रहे।

गुजरने के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व रहस्यमय चुप्पी साधे रहा तो अंततः नीतीश कुमार ने पटना में जून 2023 को गठबंधन का पहला सफल आयोजन किया और कांग्रेस के प्रति बरती जा रही राजनीतिक अस्पृश्यता को तोड़ने का काम किया। तब अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी और अखिलेश यादव के साथ मंच पर सोनिया एवं राहुल गांधी भी उपस्थित रहे। पटना में प्रधानमंत्री पद के लिए किसी पार्टी के नेता को मनोनीत करने के बजाय सामूहिक नेतृत्व में कार्य किए जाने का भी प्रस्ताव पारित किया गया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अन्नदाताओं को मिला अदालतों का सहारा

सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेष अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए ऐसी व्यवस्था कर दी कि यदि सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि के लिए मुआवजे के भुगतान में देरी होती है तो इसके एवज में जमीन के मालिक मौजूदा बाजार मूल्य को पाने के हकदार होंगे। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश देश भर के कई किसानों और अन्य लोगों को राहत तो देगा ही साथ ही पर्याप्त मुआवजा दिलाने में भी मदद करेगा।

एक तरफ किसान अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। पर सरकार है कि इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है पर कोर्ट ने उनकी सुध जरूर ली है। अपने एक फैसले में कोर्ट ने कहा है कि मुआवजे में देरी, तो जमीन का मौजूदा मार्केट रेट वाला पैसा किसानों को दिया जाएगा। इस फैसले से ये बात तो स्पष्ट हो गई हैं सरकारों से ज्यादा अन्नदाताओं को अदालतों का सहारा है। दरअसल लंबे समय से अपनी जमीन के मुआवजे का इंतजार कर रहे लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेष अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए ऐसी व्यवस्था कर दी कि यदि सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि के लिए मुआवजे के भुगतान में देरी होती है तो इसके एवज में जमीन के मालिक मौजूदा बाजार मूल्य को पाने के हकदार होंगे।

सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश देश भर के कई किसानों और अन्य लोगों को राहत तो देगा ही साथ ही पर्याप्त मुआवजा दिलाने में भी मदद करेगा। सुप्रीम कोर्ट का ये फैसला कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड के खिलाफ एक याचिका पर आया था। मामला ये था कि साल 2003 में बेंगलुरु-मैसूर इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर परियोजना के निर्माण के लिए हजारों एकड़ भूमि के अधिग्रहण की अधिसूचना जारी की थी। जिसमें भूमि के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया गया, लेकिन मालिकों को मुआवजे के लिए कोई आदेश पारित नहीं किया गया. भूमि अधिग्रहण अधिकारी द्वारा 2019 में मुआवज़ा देने के लिए कोर्ट की अवमानना कार्यवाही की आवश्यकता पड़ी. हालांकि, उन्होंने मुआवज़ा 2003 की दरों के आधार पर दिया। जज बी आर गवई और के वी विश्वनाथन ने यह निर्णय देते हुए कि भूमि के मूल्य की गणना 2019 के अनुसार की जानी चाहिए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2003 की भूमि दर का उपयोग करके भुगतान करना न्याय का मखौल उड़ाना होगा. जज गवई ने कहा कि भूमि मालिकों को लगभग 22 वर्षों से उनके वैध बकाये से वंचित रखा गया है और यदि भूमि के बाज़ार मूल्य की गणना 2003 के अनुसार की जाती है, तो उन्हें काफी नुकसान होगा। साल 2019 में, जब तत्कालीन भूमि अधिग्रहण अधिकारी ने 2003 की दरों के आधार पर मुआवज़ा दिया, तो जमीन मालिकों ने विरोध किया। लेकिन कर्नाटक हाईकोर्ट से उन्हें निराश लौटना पड़ा। इसके बाद उन्होंने ऊपरी अदालत का रुख किया। सरकार का ये फैसला किसानों के लिए खुशहाली लेकर आएगी। जिस तरह कोर्ट इस मामले को सुना उसी तरह से अन्य मामले भी अदालत के सामने जाने चाहिए ताकि अन्नदाता का राहत मिले और वह तरक्की कर सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अंदरूनी संघर्ष व बाहरी दबावों से निपटने की रणनीति

जी पार्थसारथी

वर्ष 1971 में अपने जन्म के काल में अमेरिका-चीन जैसे एक अजीब और आभासीय गठबंधन की चालों का सामना करने के बावजूद, हाल के वर्षों में बांग्लादेश ने तेजी से आर्थिक विकास का रिकॉर्ड बनाया है। 1971 में अपनी स्वतंत्रता के बाद से, अनिश्चितताएं और निरंतर प्राकृतिक आपदाएं झेलने के बावजूद, इसने आर्थिक विकास में मजबूती और गरीबी में कमी होते देखी है। जन्म के समय दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिने जाने से लेकर 2015 आते-आते यह मुल्क निम्न-मध्यम आय की स्थिति में पहुंच गया। इस बीच, इसकी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हाल ही में अंतरिम सरकार- जिसकी बागडोर एक अमेरिका शिक्षित कृषक और नोबेल पुरस्कार विजेता, मोहम्मद यूनुस के हाथ में है- के नेतृत्व में स्थानीय 'अफसरों' द्वारा गिरफ्तार किए जाने की धमकी के बाद भारत में शरण लेनी पड़ी है।

यूनुस एवं बांग्लादेश ग्रामीण बैंक को 2006 में 'निचले स्तर से आर्थिक एवं सामाजिक विकास करने' की दिशा में कार्य के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। साल 1983 में स्थापित इस बैंक का उद्देश्य गरीब लोगों को आसान शर्तों पर छोटे ऋण प्रदान करना है, जिसे 'माइक्रो-क्रेडिट' भी कहा जाता है। शेख हसीना, जो अब भारत में निर्वासन में रह रही हैं, उन्होंने 1975 में अपने पिता शेख मुजीब-उर-रहमान को एक खूनी सैन्य तख्तापलट में मारे जाते देखा था। साल 1971 में मुजीब अगुवाई करके अपने लोगों को स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक शासन की ओर ले गए थे। कदाचित, अमेरिका और चीन, दोनों ही, शेख मुजीब और उनकी बेटी के प्रति अविश्वास और नापसंदगी की भावना पाले रहे। हसीना, जो नैसर्गिक रूप से भारत के प्रति दोस्ताना थीं, उन्हें अमेरिका और चीन के तत्कालीन गठबंधन द्वारा सोवियत विरोध के तहत चली गैर-मैत्रीपूर्ण भावनाओं का सामना करना पड़ा था। उनके बाद बांग्लादेश में ऐसी सरकारें आईं, जिन्हें भारत जरा भी सुहाता नहीं था। हालांकि, समय के साथ चीजें बदलते गईं।

अगर शेख मुजीब को 1970 के दशक में अमेरिका और चीन की दुश्मनी का सामना करना पड़ा था, तो आज की तारीख में उनकी बेटी और उत्तराधिकारी वैसी ही स्थिति का सामना कर रही हैं। वर्तमान में अमेरिका और चीन बिल्कुल भी अच्छे दोस्त नहीं हैं, जैसाकि वे

1970 के दशक की शुरुआत में हुआ करते थे। अमेरिका-चीन के विरोधी रुख का सामना करने के बावजूद, हसीना का अपने राष्ट्र की रणनीतिक स्वायत्तता, आर्थिक विकास और धर्मनिरपेक्षता के प्रति प्रतिबद्धता का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। वह पाकिस्तान की सैन्य ज्यादतियों से अपने देश की मुक्ति में भारत की भूमिका को भी नहीं भूलीं। बांग्लादेश अब ऐसी स्थिति का सामना कर रहा है, जहां अमेरिका समर्थित यूनुस देश के नेतृत्व में एक प्रमुख खिलाड़ी बन गए हैं। यूनुस का अमेरिका के प्रति झुकाव है, जिसने हाल ही में उन्हें बांग्लादेश सरकार का प्रमुख नियुक्त करने में मदद की है। दिलचस्प बात यह है कि हसीना को हटाने के पीछे न केवल बाइडेन प्रशासन बल्कि उनके प्रतिद्वंद्वी चीन का भी समर्थन रहा। यह भी रोचक है कि यूनुस को हसीना के उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त करने के बारे में चीन और अमेरिका, दोनों के विचार, एक जैसे प्रतीत होते हैं। सनद रहे यूनुस की अपनी उच्च राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि अमेरिका और चीन सहित कई पक्षों ने मिलकर हसीना को बदनाम करने के लिए ठोस प्रयास किए। यह कोशिशें उस आर्थिक प्रगति को नजरअंदाज करती हैं जो बांग्लादेश ने उन वर्षों में हासिल की जब वहां सरकार हसीना की थी। इससे अधिक, बांग्लादेश का नया नेतृत्व तय करने या निर्वाचित सरकार को कमजोर करने के पीछे न केवल विदेशी ताकतों की भूमिका रही है बल्कि बांग्लादेश के खुद अपने लोगों की भी। बांग्लादेश के विकास में आज भारत सबसे बड़ा साझीदार है। भारत ने जहाजरानी, बंदरगाह, सड़कों और रेलवे जैसे क्षेत्र के आधुनिकीकरण और विकास के लिए 8 बिलियन डॉलर का तिहरा ऋण प्रदान किया है।

चीन और पाकिस्तान, हर हीले-हवाले, हिंद महासागर में भारत के प्रभाव को रोकने और सीमित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, जहां के जलमार्गों से होकर, होरमुज़ जलडमरू से तेल की आपूर्ति मलक्का जलडमरू और उससे परे तक होती है। ट्रम्प प्रशासन के कार्यभार संभालने के साथ ही, भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका और अन्य समान विचारधारा वाले देशों के साथ व्यापक बातचीत करनी चाहिए। समुद्र के नीचे बिछी अपनी संचार लाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह करना जरूरी है। इस बीच, भारत विमानवाहक पोत और लड़ाकू युद्धपोत से लेकर मिसाइल शक्ति तक की शस्त्र प्रणालियों में अपनी समुद्री क्षमताओं का विकास कर रहा है।

नई लकीर खींचने की कोशिश में जुटे मोहन यादव

उमेश चतुर्वेदी

विधानसभा चुनाव में अभूतपूर्व जीत के बाद मध्य प्रदेश में बीजेपी ने तकरीबन अपरिचित चेहरे को राज्य की कमान सौंपने का फैसला लिया, तो राजनीतिक हलकों में हैरत जताई गई थी। उन्हीं मोहन यादव ने बतौर मुख्यमंत्री सालभर की यात्रा पूरी कर ली है। मंत्री के तौर पर मोहन यादव मध्य प्रदेश शासन का हिस्से रहे, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें समझ आया कि एक या दो विभाग संभालना अलग बात है और पूरे राज्य की कमान के साथ राजनीतिक संतुलन बनाए रखना कठिन चुनौती है। लेकिन मोहन यादव ने इस चुनौती को ना सिर्फ संभाल लिया है, बल्कि नवाचार के साथ शासन और प्रशासन को बखूबी संभाल रहे हैं। शासन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर विशेष भेंट में मोहन यादव ने अपनी चुनौतियों के साथ ही अपने सपनों को जिस सहज अंदाज में साझा किया, वह उनकी राजनीति और चरित्र को समझने का सूत्र है।

बड़ा राजनीतिक दल हो या संभ्रांत परिवार, हर नए नेतृत्व के सामने अक्सर अतीत और पूर्वज से तुलना का सवाल उठ खड़ा होता है। अगर अतीत का नेतृत्व विराट रहा हो तो नए नेतृत्व के हर कदम को पुराने की कसौटी पर कसा जाना स्वाभाविक है। मोहन यादव को बखूबी पता है। वे खुद भी स्वीकार करते हैं कि उनके मुख्यमंत्री बनने से पहले करीब साढ़े अठारह साल तक राज्य में बीजेपी की सत्ता रही। उसकी कमान जिन हाथों में रही, वे प्रभावशाली रहे। मोहन यादव स्वीकार करते हैं कि उनके नेताओं ने जो वायदे किए, जिस जैसा शासन चलाया, उन्हें पूरा करना और उस परिपाटी को बरकरार रखना उनका पाथेय है। मोहन यादव को पता है कि उन्हें अपनी भी एक नई लकीर खींचनी होगी। वे खुलकर इसे स्वीकार नहीं करते, बल्कि खुद को विनम्र कार्यकर्ता बताते हैं।

मध्य प्रदेश को लेकर उनके भी अपने कुछ सपने हैं। सपना यह कि समृद्ध और वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक संपदा वाला उनका राज्य समृद्ध बने, आर्थिक रूप से समृद्ध हो, कृषि विकास की मौजूदा दर बनी रहे और किसान लगातार समृद्ध होते रहें। सांस्कृतिक रूप से संपन्न राज्य की भारत ही नहीं, वैश्विक मानचित्र पर गहन पहचान भी बने। इन सपनों को हकीकत बनाने के लिए वे अहर्निश जुटे हैं। उनका कहना है कि सोते-जागते हर वक्त उन्हें एक ही चिंता रहती है, यह कि मध्य प्रदेश समृद्ध हो, संपन्न हो और अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के साथ आगे बढ़ता रहे। मोहन यादव महाकाल की नगरी उज्जैन के निवासी है। उज्जैन में ही भगवान कृष्ण ने संदीपनी ऋषि के आश्रम में शिक्षा ली थी। मोहन यादव कहते हैं कि कंस-वध के बाद कान्हा जी चाहते तो खुद सिंहासन पर बैठ सकते थे। लेकिन उन्होंने कुर्सी की बजाय शिक्षा को चुना और उज्जैन चले आए। जहां सुदामा से उनकी ऐसी मित्रता हुई, जिससे दुनिया आज भी सीख लेती है। मोहन यादव ने कान्हा की याद में 'श्रीकृष्ण पाथेय' परियोजना की कल्पना की है।

मोहन यादव कहते हैं कि कंस वध के बाद मथुरा से चलकर कृष्ण उज्जैन आए। यहां उन्होंने शिक्षा ली। 'श्रीकृष्ण पाथेय' के तहत उज्जैन को मथुरा से जोड़ने की योजना है। इस पथ पर तीन राज्य हैं। कृष्ण उत्तर प्रदेश के मथुरा से राजस्थान होते हुए मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचे थे। श्रीकृष्ण पाथेय करीब साढ़े छह सौ किलोमीटर का होगा। इस पाथेय के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल से मोहन यादव की बात हो चुकी है। यह संयोग ही है कि भजनलाल और मोहन यादव ने तकरीबन साथ-साथ अपने-अपने राज्यों में कमान संभाली थी। मोहन यादव की योजना है कि इस पाथेय को गुजरात के द्वारका तक बढ़ाया जाए। इस सिलसिले में गुजरात सरकार से भी मध्य प्रदेश की बातचीत चल रही है। श्रीकृष्ण पाथेय सही मायने में सांस्कृतिक पथ होगा। मोहन यादव कहते हैं कि लोकजागरण भी उनकी जिम्मेदारी है। इस पाथेय के जरिए दुनिया को दो संदेश देने की कोशिश होगी, पहला शिक्षा का संदेश और दूसरा अमीर-गरीब की मित्रता का संदेश। समाज को जोड़ने में शिक्षा और मित्रता का योगदान अनमोल है। इस पाथेय पर श्रीकृष्ण जहां-जहां रूके, उन-उन जगहों, तीर्थों को विकसित करने और पाथेय पर हस्तशिल्प कलस्टर को बनाने की तैयारी है। इससे जहां पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

मध्य प्रदेश सरकार साल 2024 में लाड़ली बहना योजना पर 9 हजार 455 करोड़ रूपये से अधिक की राशि खर्च की है। जिसका फायदा राज्य की एक करोड़ 29 लाख महिलाओं को मिला है। बेशक ऐसी योजनाएं सरकारों के लिए फायदेमंद साबित हुई हैं, लेकिन एक वर्ग के निशाने पर भी ये योजनाएं हैं। मोहन यादव को भी पता है कि ऐसी कल्याणकारी योजनाओं को लंबे समय तक चलाना तभी संभव होगा, जब राज्य की आर्थिक सेहत अच्छी हो। राज्य स्तर पर सातवां निवेशक सम्मेलन फरवरी 2025 में होना है। ये सम्मेलन संभागीय स्तर पर भी आयोजित किए जाते रहे। इन सम्मेलनों से अब तक राज्य को चार लाख करोड़ का निवेश प्रस्ताव मिल चुका है। जिसे और बढ़ाने की तैयारी है। पर्यावरण संकट झेल रही दुनिया में भारत के कई राज्यों पर कार्बन रेटिंग ठीक करने का दबाव है। लेकिन उनके पास जंगल लायक जमीन नहीं है। मोहन यादव उन राज्यों के लिए कैप्टिव योजना लाने जा रहे हैं। जिसे कान्हा वन, वृंदावन योजना नाम दिया गया है। इसके तहत कार्बन रेटिंग ठीक करने की चाहत रखने वाला राज्य मध्य प्रदेश में लीज पर जमीन ले सकता है और यहां जंगल लगा सकता है। मुख्यमंत्री का कहना है कि इससे जहां दूसरे राज्यों की कार्बन रेटिंग सुधरेगी, वहीं मध्य प्रदेश का वन क्षेत्र बढ़ेगा।

बच्चों के लिए बनाएं हेल्दी चिली गार्लिक पोटैटो

अगर आपके बच्चों को बाहर का खाने का शौक है और वह आए दिन बाहर से खाना ऑर्डर करने की जिद्द करते हैं तो उनकी इस आदत को सुधारना होगा। बाहर का खाना स्वादिष्ट जरूर हो सकता है लेकिन सेहत के लिहाज से अच्छा नहीं होता। इसलिए बच्चों के लिए घर पर ही उनकी पसंद और बाजार के खाने जैसी स्वाद वाली डिश बनाइए। आप बच्चों के लिए स्नैक्स में चिली गार्लिक पोटैटो बना सकते हैं। ये डिश स्वादिष्ट तो है ही हेल्दी भी है। इसमें लहसुन का इस्तेमाल होता है, जो शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाने का काम करता है। आलू में भी पोषण होता है। विटामिन बी 1, बी 3 और बी 6 और पोटैशियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम जैसे मिनरल आलू में पाए जाते है। अधिकतर बच्चों को चिली गार्लिक पोटैटो पसंद भी होता है।

सामग्री

4 से 5 उबले आलू, 1 छोटा चम्मच लहसुन का पेस्ट, 2 चम्मच मक्के का आटा, 1 छोटा चम्मच चिल्ली फ्लेक्स, तेल, नमक, कटी हुई धनिया पत्ती।

ग्रेवी बनाने के लिए सामग्री

बारीक कटा हुआ लहसुन, अदरक, प्याज, शिमला मिर्च, चीनी, नमक, 1 चम्मच सोया सॉस, 1 चम्मच रेड चिली सॉस, 2 चम्मच केचअप, दो चम्मच अरारोट।

तरीका

चिली गार्लिक पोटैटो बनाने के लिए सबसे पहले आलू को उबाल कर छील लें। अब उबले हुए आलू को कद्दूकस कर लें या अच्छे से मैश कर लें। फिर आलू में कॉर्न फ्लोर, चिली फ्लेक्स, लहसुन का पेस्ट, नमक और हरा धनिया ये सभी सामग्री को एक साथ डालकर मिला लीजिए। जब आलू में सभी सामग्री अच्छे से मिल जाए तो इस मिश्रण के छोटे-छोटे बॉल्स बना लीजिए। आप चाहें तो कोई और आकार भी दे सकते हैं। अब एक पैन में तेल डाल कर मध्यम आंच में गर्म करने के लिए चढ़ाएं। इस तेल में आलू के मिश्रण वाली बॉल्स को डालकर अच्छे से डीप फाई करें, जब तक उसका रंग हल्का सुनहरा न हो जाए।

ग्रेवी बनाने की विधि

अगर आप ग्रेवी वाला चिली गार्लिक पोटैटो बनाना चाहते हैं तो एक कढ़ाई में एक चम्मच तेल गरम करके उसमें कटी हुई लहसुन, अदरक डाल प्याज और शिमला मिर्च डालकर भुन लीजिये। फिर हल्की चीनी, नमक और 1 चम्मच सोया सॉस, 1 चम्मच रेड चिली सॉस, 2 चम्मच केचअप डालकर दो मिनट पकाएं और फिर आधा कप पानी डालकर दो चम्मच अरारोट कड़ाई में घोल लीजिए। दो मिनट पकाने के बाद उसमें तले हुए आलू के टुकड़े डालकर अच्छे से मिला कर सर्व करें।

तेज भूख को शांत करेंगे अंडे से बने ये पकवान

संडे हो या मंडे, रोज खाओ अंडे..... ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि अगर आप नियमित रूप से अंडा खाते हैं तो इसे खाकर आप दिनभर स्फूर्तिवान रह सकते हैं। इससे ना सिर्फ शरीर को ताकत मिलती है, इसे खाने के बाद पेट भी पूरा दिन भरा रहता है। कई लोग तो अंडा खाने के इतने शौकीन होते हैं कि वो एक साथ कई-कई क्रेट लेकर रख लेते हैं। ज्यादातर लोग जल्दबाजी के चक्कर में सिर्फ अंडा बॉयल करके खा लेते हैं। अगर आपके पास सुबह सही से नाश्ता करने का समय नहीं है तो आप भी आसानी से अंडे से ये पकवान बनाकर खा सकते हैं।

ऑमलेट

अंडे का ऑमलेट बनाते वक्त अगर आप चाहती हैं कि आपका नाश्ता हैवी हो तो आप इसके साथ ब्रेड भी सेक सकती हैं। आमलेट में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम, सोडियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस के साथ रिबोफ्लेविन, फोलेट, विटामिन ए, विटामिन डी, विटामिन बी6 और विटामिन बी12 जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं।

अंडा पराठा

पराठे के अंदर अंडा डालकर इसे तैयार किया जाता है। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। इसे आप केचअप के साथ भी खा सकते हैं। अंडे का पराठा प्रोटीन से भरा और हेल्दी होता है।

एग तवा फ्राय

उबले हुए अंडे को बीच में से काट कर तवे पर अच्छे से सेंक लें। इसे खाने से मुंह का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। हाफ फाई अंडा गुड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाता है जिससे हार्ट से जुड़ी बीमारियों के होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है।

एग रोल

अगर आप कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जिसे आप रास्ते में खाते जा सकें तो एग रोल तैयार करके इसे एक फॉइल में रैप कर लें। इसे आप आसानी से रास्ते में भी खा सकते हैं।

एग अप्पे

अगर आप कुछ अलग सा ट्राई करना चाहते हैं तो अप्पे के बैटर को रात को तैयार करके रख दीजिए। इसके बाद सिर्फ सुबह आपको अंडा बैटर में डालना है और एग अप्पे तैयार करने हैं।

बेक्ड एग

अगर आप अंडे में कुछ हटके ट्राई करना चाहते हैं तो आप बेक्ड ऐग ट्राई कर सकते हैं। इसको अंडे के बैटर से तैयार किया जाता है। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है।

हंसना मना है

हर आदमी का सपना-7 अंकों में सॅलरी, 6 अंको में बचत, 5 बेडरूम वाला घर, 4 पहियों की गाड़ी, 3 हसे की छुट्टियां, 2 प्यारे बच्चे, 1 गूंगी बीवी।

मुर्गी- एक अंडा देना, शॉपकीपर- अंडा तो तुम देती हो, मुर्गी- हा पर मेरे पति ने कहा है, की 4 रु के लिए क्यों अपना फिगर खराब कर रही हो!

जब घर में बच्चा पैदा होता है, मां- इसकी नाक तो मुझ पर गयी है, बाप-आंखे मुझ पर गयी है, चाचा- बाल मुझ पर गए है, मां- इसकी स्माइल मुझ पर गयी है, और वही बच्चा जवान होकर जब लड़की छेड़ता है, तो सब बोलते है, पता नहीं हरामखोर किस पर गया है।

टीचर- बताओ सबसे नशीला पदार्थ कौन सा होता है? पप्पु - किताब है सर, साला खोलते ही नींद आ जाती है।

मनोहर: क्या एक वाईफ अपने हसबैंड को लखपती बना सकती है? गजोधर: हां, पर हसबैंड करोड़पती होना चाहिए।

कहानी — जब शेर जी उठा

बहुत समय पहले द्रोण नगरी में चार दोस्त रहा करते थे। उन चारों में से तीन ब्राह्मण कई तरह की विद्याओं में निपुण थे, जबकि चौथे के पास किसी तरह की विद्या नहीं, लेकिन वह बहुत बुद्धिमान था। चौथा दोस्त हमेशा अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करके हर समस्या से बचने का रास्ता निकाल लेता था, जबकि अन्य दोस्त विद्यावान होते हुए भी समझदारी से काम नहीं लेते थे। एक दिन उन चारों दोस्तों ने मिलकर सोचा कि पैसा कमाने के लिए विदेश जाना चाहिए। इसी के चलते चारों विदेश यात्रा पर चल दिए। यात्रा के दौरान एक ब्राह्मण दोस्त ने कहा कि हम में से सिर्फ एक दोस्त के पास विद्या नहीं है। ऐसे दोस्त को हमारी विद्या के कारण मिलने वाला धन नहीं मिलना चाहिए। वो घर वापस जा सकता है। इस पर दूसरा दोस्त सहमत हो गया, लेकिन तीसरे दोस्त ने कहा कि ऐसा करना ठीक नहीं होगा। हम सभी बचपन से दोस्त हैं और अब यह फैसला लेना गलत होगा। हम जो कुछ भी कमाएंगे, उसे चार हिस्सों में बांट देंगे। इस बात पर सबने हामी भरी। यात्रा के दौरान जंगल से गुजरते हुए उन्हें एक मरा हुआ शेर दिखा। सभी ब्राह्मणों ने कहा कि हम अपनी विद्या के चमत्कार से इस शेर को जिंदा कर देंगे। इससे हमें बहुत यश और कीर्ति मिलेगी। तीनों ब्राह्मण दोस्त उसे जिंदा करने में लग गए, लेकिन चौथे बुद्धिमान दोस्त ने उन्हें ऐसा करने से मना किया। उसने कहा कि अगर तुम लोग इसे जिंदा कर दोगे, तो वह जिंदा होते ही हम सबको खा जाएगा। चौथे दोस्त के बहुत कहने के बावजूद तीनों दोस्त नहीं माने। तीनों को अपनी-अपनी विद्या का इस्तेमाल करते देख चौथा दोस्त डर गया। उसने अपने सभी मित्रों से कहा, ठीक है, तुम लोग अपने मन की करो, लेकिन मुझे पेड़ पर चढ़ जाने दो। वहीं, अन्य दोस्त अपनी सिद्धियों और विद्याओं के बल से उस शेर को जीवित करने की कोशिश में लग गए। और शेर जिंदा हो जाता है। शेर जैसे ही जिंदा हुआ वह अपने आसपास तीन ब्राह्मणों को देखते ही उन्हें मार डालता है, जबकि पेड़ पर चढ़ा चौथा दोस्त अपनी समझदारी से बच जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृषभ — आज के काम कल पर नहीं टालें। व्यापार में अपने विवेक का प्रयोग करें, तभी धनलाभ होगा। दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। आय बनी रहेगी।

मिथुन — आज जल्दबाजी में किसी भी प्रकार का धन का लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कर्क — व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। घर में रखी कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। आज माता या जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा।

सिंह — कारोबारियों को धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या — आज नई कार्य योजना बनेगी, जिसका लाभ आगामी समय में मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

तुला — आज माता को थकान व कमजोरी रह सकती है। उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृश्चिक — आज वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। युवक-युवती विशेष सावधानी बरतें। विवाद को बढ़ावा न दें।

धनु — व्यापारिक कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा, धनलाभ में वृद्धि होगी।

मकर — आज स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। कार्यस्थल पर कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुम्भ — अपनी कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन — आज के दिन धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

लोकप्रिय होना मुझे प्रभावित नहीं करता : जैकलीन फर्नांडीज

बहरीन में पैदा हुई, श्रीलंका की ब्यूटी क्वीन रहीं, अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज की इस साल कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं। अक्षय कुमार के साथ वह 'हाउसफुल 5' में दिखने वाली हैं। 'वेलकम टू द जंगल' के भी इसी साल रिलीज होने की संभावना है। लेकिन, इस साल की उनकी पहली रिलीज होगी फिल्म 'फतेह', जिसमें वह सोनू सूद की हीरोइन बनी हैं। जैकलीन फर्नांडीज ने एक बातचीत में कहा, हम सब अपनी अपनी भावनाओं से बने हुए पुतले हैं। जो कुछ भी हम महसूस करते हैं, अच्छा या बुरा, वह सब हमें हमारे आसपास के वातावरण से मिलता है और इसमें हमारे अपने एहसास भी शामिल होते हैं। मेरा ये पक्का मानना है कि हम जो कुछ करते हैं, जैसा सोचते हैं, वैसे ही हम बन जाते हैं। सकारात्मकता एक ऐसी आदत है जो हमारा जीवन बदल सकती है। इसमें बहुत बड़ी शक्ति होती है। हर परिस्थिति के पीछे छुपे संकेत को पढ़ना और उसके अनुसार अपना आगे का रास्ता तय करना ही जीवन का ध्येय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि, दूसरों के बारे में फैसला करने से पहले हमें ये देखना चाहिए कि आखिर इसका उद्देश्य क्या है? नकारात्मक विचार किसी का भी जीवन बदल सकते हैं। परीक्षा में फेल हुए बच्चे को घरवालों के सहारे की जरूरत होती है। वह खुद से जूझ रहा होता है, ऐसे में उससे की गई नकारात्मक बातें उसे और डरा सकती हैं, उससे जीवन से विमुख कर सकती हैं। हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि हम बिना सोचे समझे जो कुछ सोशल मीडिया पर लिख देते हैं, उसका असर कितना घातक हो सकता है। जैकलीन ने कहा, अभिनेत्री बनना मेरा अपना निर्णय रहा है और अब मैं अतीत में जाकर चाहूं भी तो इस फैसले को बदल नहीं सकती। हर पेशे के अपने नुकसान और फायदे हैं। लेकिन, मैं काम और परिवार में संतुलन बनाए रखने की पक्षधर हूं। लोकप्रिय होना मुझे प्रभावित नहीं करता। मैं सिर्फ जैकलीन हूं, शोहरत मेरी पहचान नहीं बन सकती।

अगले महीने सिनेमाघरों में आयेगी 'मेरे हैसबैंड की बीवी'

अर्जुन कपूर, रकुल प्रीत सिंह और भूमि पेडनेकर अपनी आगामी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी के लिए कमर कस रहे हैं। फैंस को भी बेसब्री से फिल्म का इंतजार है। वहीं, अब आखिरकार निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है। मेरे हस्बैंड की बीवी के निर्माताओं ने एक खास मोशन पोस्टर जारी किया और रिलीज की तारीख का खुलासा किया।

यह फिल्म 21 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिससे प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है। पूजा एंटरटेनमेंट के इंस्टाग्राम पेज ने मोशन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, यहां प्यार की ज्योमेट्री थोड़ी ट्विस्टेड है– क्योंकि ये लव ट्राएंगल नहीं, पूरा सर्कल है। मेरे हसबैंड की बीवी सिनेमाघरों में 21 फरवरी 2025। फिल्म के कहानी और मोशन पोस्टर निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प प्रोमो क्लिप साझा की, जिसमें बीच में एक आदमी का जूता, बाईं ओर एक खूबसूरत स्टिलेट्टो और दाईं ओर एक पंजाबी जूती दिखाई दे रही है। क्रिएटिव अनाउंसमेंट पोस्ट में इस अनोखे लव ट्राएंगल की ओर भी इशारा किया गया है, जिसमें अर्जुन कपूर और दो प्रमुख अभिनेत्रियों भूमि और रकुल प्रीत की नई जोड़ी है। हालांकि, यह अभी तक गुप्त रखा गया है कि पंजाबी लड़की का किरदार कौन निभाएगा और आधुनिक महिला का किरदार कौन निभाएगा।

21 फरवरी को होगी रिलीज

तीनों कलाकारों का वर्कफ्रंट

मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित इस फिल्म की घोषणा नवंबर 2022 में की गई थी और अब यह 2025 में रिलीज होगी। वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपिका देशमुख द्वारा निर्मित यह फिल्म कॉमेडी, हास्य और मनोरंजन से भरपूर है। वहीं, सितारों के वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्जुन कपूर को आखिरी बार सिंघम अगेन में देखा गया था। रकुल प्रीत सिंह अगली बार दे दे प्यार दे 2 में दिखाई देंगी। भूमि पेडनेकर दलदल के साथ अपनी वेब सीरीज की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं।

इस साल बाक्स ऑफिस पर राज करने को तैयार हैं अजय देवगन

बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर्स का जिक्र होता है तो अजय देवगन का नाम आना लाजमी है। उन्होंने बतौर अभिनेता अपने करियर की शुरुआत साल 1991 में आई फिल्म फूल और कांटे से की थी। एक्टिंग करियर में वह 90 से ज्यादा मूवीज में काम कर चुके हैं। सिंघम में उनके बाजीराव सिंघम के किरदार को फैंस ने भरपूर प्यार दिया है। यही कारण है कि साल 2024 में रिलीज हुई उनकी सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन के मामले में सफल साबित हुई। नए साल के आते ही अब फैंस उनकी अपकमिंग फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अजय देवगन की ज्यादातर फिल्मों में एक्शन के साथ रोमांटिक स्टोरी भी देखने को मिलती है। साल 2025 में अभिनेता एक नहीं, दो मूवीज के जरिए लोगों का दिल जीतने की तैयारी कर चुके हैं। आइए उनकी अपकमिंग पिक्चर की रिलीज डेट जान लेते हैं, जो प्रशंसकों को अभी से नोट कर लेनी चाहिए।

रेड 2

साल 2018 में रेड फिल्म आई थी, जिसमें अजय देवगन को एक आईआरएस अधिकारी के किरदार में देखा गया था। अब इसके सीक्वल के साथ अभिनेता बड़े पर्दे पर धमाल मचाने की तैयारी में हैं। 1 मई 2025 को रेड 2 रिलीज होगी। फिल्म की कास्ट के बारे में बात करें तो इसमें अजय के साथ वाणी कपूर, रितेश देशमुख जैसे कलाकार नजर आएंगे।

दे दे प्यार दे 2

साल 2019 में रिलीज हुई दे दे प्यार दे एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसमें अजय देवगन, रकुल प्रीत, तब्बू और जिम्मी शेरगिल जैसे स्टार्स ने अहम भूमिका निभाई थी। अब साल 2025 में अजय की इस फिल्म का सीक्वल आएगा। फिल्म में अजय और रकुल की जोड़ी को दोबारा देखने का इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। अजय देवगन की मच अवेटेड मूवी 14 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में उतरेगी।

अजब-गजब | यूनेस्को की वर्ल्ड हैरिटेज साइट में शुमार है ये गांव

स्वर्ग जैसा है ये गांव फिर भी परेशान हैं यहां के लोग

जब भी घूमने फिरने की बात आती है, लोगों की निगाहें किसी ऐसी जगह को ढूंढने लगती हैं, जो उनके सपनों में रही हो। किसी को बर्फ से ढके हुए पहाड़ पसंद होते हैं तो किसी को दूर तक फैला हुआ समंदर। वैसे जब कभी आपने परियों की कहानी सुनी होगी तो एक खूबसूरत देश की कल्पना की होगी। एक ऐसा ही गांव है, जिसे जिसने भी देखा बस वहां जाने के बारे में सोचने लगा।

कुछ जगहें होती ही इतनी सुंदर हैं कि देखते ही निगाहों में बस जाती हैं। आपका दिल करता है कि बस यहीं जाकर रह जाएं। एक ऐसा ही गांव है, जहां हर कोई जाना चाहता है पर यहां के लोग बहुत परेशान हैं। खासतौर पर अगर बर्फबारी का मौसम होता है, तो ये गांव बिल्कुल स्वर्ग बन जाता है। आखिर इतने सबके बाद भी यहां के निवासी क्यों परेशान हैं?

एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रिया के Salzkammergut प्रांत में एक छोटा सा गांव है, जिसका नाम हॉलस्टैट है। ये गांव इतना सुंदर है कि बिल्कुल परियों की कहानी से निकला लगता है। ऑस्ट्रिया के टॉप ट्रैवेल डेस्टिनेशन में भी ये गांव शामिल हैं। इस गांव में 800 लोग रहते हैं और ये यूनेस्को की वर्ल्ड हैरिटेज साइट में भी शुमार है। यहां इंसानों की खोपड़ियों को पेंट करके रखा गया है, जो एल्पाइन ट्रैडिशन है। इसके अलावा यहां पर नमक की एक खूबसूरत खान भी है। अपनी सुंदरता की वजह से सोशल मीडिया के ज़माने में इतने लोग यहां पहुंचते हैं कि कभी भी गांव खाली नहीं रहता।

आप सोच रहे होंगे कि इतना मशहूर होने के बाद भी यहां के लोग आखिर किस बात से परेशान हैं। इसका जवाब ये है कि उन्हें यहां आने वाले सैलानियों से ही दिक्कत है। पीक टाइम में यहां रोज़ाना 10 हज़ार विजिटर्स आते हैं, जो ग्रामीणों की प्राइवेसी के लिए मुश्किल साबित होता है। यही वजह है कि उन्होंने यहां शाम 5 बजे के बाद टूरिस्ट बसों का आना बंद करा दिया। उन्होंने यहां की एक सुरंग भी एक बार ब्लॉक कर दी थी और सैलानियों को रोकने की अपील की थी। वे एंटी सेल्फी फेंस भी लगा चुके हैं और एक मशहूर पहाड़ पर भी बैरिकेड कर चुके हैं। उनका कहना है कि छोटे से गांव में इतने सैलानियों के आने से उन्हें दिक्कत होती है। ऐसे में अपील की जा रही है कि कम से कम सैलानी आएं और ऑफ सीज़न में आने की कोशिश करें।

अष्टभुजाकार साइन बोर्ड पर STOP लिखा मिले तो तुरंत हो जायें सावधान

बचपन से हमें ट्रैफिक नियमों का एक उसूल जरूर सिखाया जाता है, वो ये कि हरी लाइट का मतलब चलना है और लाल का मतलब रुक जाना है। आप किसी 3-4 साल के बच्चे से भी पूछेंगे, तो वो बता देगा कि लाल का मतलब स्टॉप होता है। आपने रोड पर भी लाल बोर्ड पर STOP लिखे देखा होगा। पर क्या आपने कभी नीले बोर्ड पर स्टॉप का साइन देखा है? (Blue Stop Sign Meaning) बहुत सी जगहों पर ये निशान होता है। अगर आपको कभी दिख जाए, तो तुरंत सावधान हो जाएं। जब नीले रंग के अष्टभुजाकार बोर्ड पर STOP लिखा होता है, तो उसका अर्थ होता है कि गाड़ी को उसी क्षण पूरी तरह से रोक लें, उस जगह से आगे कतई न जाएं।

अगर कोई प्राइवेट प्रॉपर्टी का मालिक चाहता है कि उसकी प्रॉपर्टी में कोई खतरनाक चीज है, जिसकी वजह से दूसरों को नुकसान हो सकता है, तो वो नीले बोर्ड वाला स्टॉप साइन अपनी प्रॉपर्टी पर लगाकर लोगों को चेतावनी दे सकता है, जिससे लोग भी तुरंत सावधान हो जाएं और प्रॉपर्टी में प्रवेश न करें। अमेरिका में ये नीले स्टॉप साइन हवाई या फ्लोरिडा में नजर आते हैं। अब सवाल ये उठता है कि इस साइन के सामने भी रुका जाना चाहिए या नहीं, क्योंकि ये सरकार द्वारा जारी नहीं किए जाते हैं? एक सीनियर ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी इंजीनियर नैथन कॉट्ज़ ने बताया कि कई जगहों पर जहां लाइट नहीं होती या इलेक्ट्रिक ट्रैफिक लाइट मौजूद नहीं होती, वहां पर अगर लाल की जगह नीला बोर्ड भी लगा रहे तो लोगों को रुकना चाहिए। अगर वो ऐसा नहीं करते तो उनका चालान हो सकता है।

चलिए साथ ही साथ आपको ये भी बता देते हैं कि स्टॉप साइन लाल क्यों होते हैं। लाल रंग की फ्रीक्वेंसी की वजह से ये रंग बेहद दूर से भी नजर आ जाता है, इस वजह से इस रंग से स्टॉप के साइन मौजूद होते हैं। ड्राइवर को साइन देखकर गाड़ी रोकने के लिए काफी वक्त मिल जाता है। दूसरा कारण ये है कि लाल रंग को खतरे के रंग के तौर पर देखा जाता है, इस वजह से ये एक किस्म की चेतावनी का भी काम करती है।

बीपीएससी को लेकर बिहार में नहीं रुक रही रार

विपक्ष नीतीश कुमार पर हमलावर भाजपा ने पीके पर उठाया सवाल

» अभ्यर्थियों का चक्का जाम व प्रदर्शन आज भी जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में में बीपीएससी छात्रों की मांग मनवाने के लिए विपक्षी पार्टियों ने नीतीश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। शुक्रवार को सांसद पप्पू यादव ने छात्रों के चक्का जाम का जहां समर्थन किया वहीं जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर आमरण अनशन पर बैठे हैं। इस बीच भाजपा व जदयू ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा विपक्ष सिर्फ नौटंकी कर रहा है। उधर प्रशांत किशोर ने अपने अनशन पर कहा कि सारे मेरे साथियों ने मेरे पर विश्वास किया है, उससे हम पीछे नहीं हट सकते हैं। 29 दिसंबर को प्रशासन ने छात्रों पर लाठी चलाई, अब किसी भी हालत में मैं प्रशासन के कहने से आंदोलन वापस नहीं लूंगा। बच्चों से मुख्यमंत्री सीधे मुलाकात करें, पीके ने कहा कि मुख्यमंत्री पांच छात्र चुन सकते हैं, मुख्यमंत्री का अहंकार इतना है कि वे कह रहे हैं हम नहीं मिलेंगे,हम लोगों की भी जिद है कि उन्हें मिलना ही पड़ेगा। बता दें कि पटना जिला प्रशासन के अधिकारी और पुलिस ने प्रशांत किशोर से धरना खत्म करने का आग्रह किया था। हालांकि अधिकारियों की ये कोशिश कामयाब नहीं हो सकी और उसे वापस लौटना पड़ा, प्रशांत किशोर अपनी जिद पर अड़े हैं।

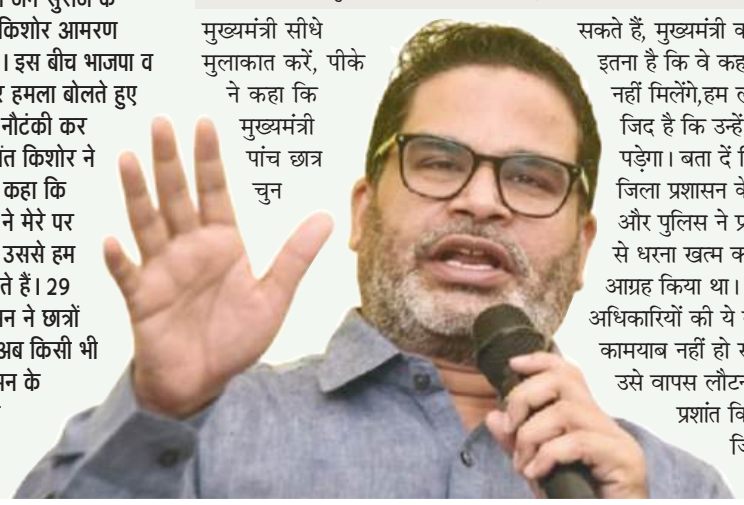

अपनी राजनीति चमका रहे नेता: नीरज

कि छात्र आंदोलन में तथाकथित रूप से भाग ले रहे प्रशांत किशोर

जन सुराज के सूत्रधार कहे जाने वाले प्रशांत किशोर कल से गांधी मैदान के गांधी स्थल पर अपना आमरण अनशन शुरू किया है। इस बात की चर्चा कल खूब थी। लेकिन उससे अधिक उनके द्वारा पंजाब से मंगवाया गया वैनिटी वैन है, जिसकी काफी चर्चा है। भाजपा के नेता नीरज कुमार ने उनपर निशाना साधते हुए कहा बाबू, जिनका उद्देश्य छात्रों का भला नहीं वरन अपनी राजनीति चमकाना है ! पंजाब से वैनिटी वैन किराये पर मंगवाये हैं, जिसका किराया 25 लाख प्रतिदिन है ! भगवान बचाये ऐसे लोगों से बिहार को ! नाम आमरण अनशन पर वैनिटी वैन में दुनियां की सारी सुख-सुविधा ! भोजन - शयनकक्ष सब कुछ।

पप्पू यादव और शकील अहमद सहित कई लोगों पर एफआईआर

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने आज बिहार बंद का आह्वान किया था। इस दौरान सचिवालय हाल्ट पर ट्रेन को भी जबरन रोका गया। इसके साथ ही पटना की सड़कों को भी रोककर अनधिकृत रूप से जुलूस निकाला गया। इस बंद के आह्वान में पप्पू यादव के साथ कांग्रेस पार्टी के भी कई नेता और कार्यकर्ता शामिल थे। अब जिला प्रशासन ने पप्पू यादव और कांग्रेस नेता शकील अहमद सहित कई लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करवाई है। जिला प्रशासन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि आज कुछ संगठनों ने बीपीएससी परीक्षा एवं अन्य मांगों को लेकर चक्का जाम का आह्वान किया था। इस दौरान पटना जिले में दो जगहों पर विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हुई। सचिवालय रेलवे हाल्ट पर पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव अपने लगभग 40 समर्थकों के साथ रेल परिचालन को बाधित किया। इसके बाद जुलूस निकाल कर आर ब्लॉक फ्लाईओवर तक प्रदर्शन किया। इस दौरान सड़क यातायात में व्यवधान डाला गया। रेल और सड़क यातायात को बाधित करने, अनधिकृत रूप से जुलूस निकालने तथा लोक व्यवस्था को भंग करने के कारण पप्पू यादव तथा उनके समर्थकों के विरूद्ध जीआरपी थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है।

महिलाओं पर अत्याचार कर रही बीएसएफ: ममता बनर्जी

» बोलीं- सीमा हमारे हाथ में नहीं, बंगाल में बांग्लादेशी आतंकियों को घुसने का मौका दे रहा सुरक्षाबल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय बलों पर बड़ा आरोप लगाया है। ममता ने दावा किया कि राज्य को अस्थिर करने के लिए बांग्लादेशी आतंकवादियों को बंगाल में घुसने दिया जा रहा है। इसे केंद्र का नापाक खाका बताते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश सीमा की रक्षा करने वाली बीएसएफ बंगाल में घुसपैठ की अनुमति दे रही है और महिलाओं पर अत्याचार भी कर रही है। एक प्रशासनिक बैठक के दौरान ममता बनर्जी की टिप्पणी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे के कुछ सप्ताह बाद आई है कि बांग्लादेश से घुसपैठ बंगाल में शांति को बाधित कर रही है।

ममता ने दावा किया कि लोग बीएसएफ इस्लामपुर से, सीताई से, चोपड़ा से प्रवेश कर रहे हैं, हमारे पास खबर है। केंद्र पर आरोप लगाते हुए उन्होंने सवाल किया कि आप विरोध क्यों नहीं कर रहे? सीमा बीएसएफ के हाथ में है। अगर कोई सोचता है कि वे बंगाल में घुसपैठ कर रहे हैं और तृणमूल को बदनाम कर रहे हैं, तो उन्हें चेतावनी दी जानी चाहिए कि तृणमूल कांग्रेस ये काम नहीं करती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बीएसएफ के गलत कामों का समर्थन कर तृणमूल को गाली न दें। ममता ने कहा कि बीएसएफ विभिन्न इलाकों से बंगाल में घुसपैठ करा रही है और महिलाओं पर अत्याचार कर रही है। सीमा हमारे हाथ में नहीं है, इसलिए अगर कोई टीएमसी पर घुसपैठ की अनुमति देने का आरोप लगाता है, तो मैं कहूंगा कि यह बीएसएफ की जिम्मेदारी है। इसके लिए टीएमसी को दोष न दें।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर 145 रन की ली बढ़त

» सिडनी टेस्ट बीच में छोड़ अस्पताल गये बुमराह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिडनी। भारत ने सिडनी मैच में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में छह विकेट गंवाकर 141 रन बना लिए हैं। पहली पारी के आधार पर टीम इंडिया को चार रन की बढ़त हासिल थी। ऐसे में भारतीय टीम की कुल बढ़त 145 रन की हो चुकी है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रन पर समाप्त हुई थी। रवींद्र जडेजा आठ रन और वॉशिंगटन सुंदर छह रन बनाकर नाबाद हैं। भारतीय टीम की शुरुआत ठीक ठाक रही थी। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े थे। राहुल 13 रन बनाकर और यशस्वी 22 रन बनाकर बोलैंड का शिकार बने। शुभमन गिल 13 रन बनाकर वेबस्टार का शिकार बने। विराट कोहली एक बार फिर ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद को छूने के प्रयास में स्लिप में कैच आउट हुए। वह छह रन बना सके। पंत ने 33 गेंद में छह चौके और चार छक्के की मदद से 61 रन की साहसिक पारी खेली। वहीं, नीतीश रेड्डी लगातार तीसरी पारी में फेल रहे। वह चार रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बोलैंड ने अब तक चार विकेट लिए है। वहीं दूसरे दिन लंच के बाद भारत को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब कप्तान जसप्रीत बुमराह मैदान छोड़कर मैदान से बाहर जाते दिखे। इसके कुछ देर बाद उन्हें वॉर्म अप जर्सी में मैदान से बाहर पार्किंग की ओर जाते देखा गया। फिर वह मेडिकल टीम के डॉक्टर के साथ एक गाड़ी में बैठकर मैदान से बाहर चले गए।

पंत के 61 रन की बदौलत छह विकेट पर इंडिया ने बनाये 141 रन

संन्यास की अटकलों को रोहित ने किया खारिज

रोहित शर्मा ने उन सभी रिपोर्ट्स का खंडन किया है, जिसमें कहा जा रहा था कि रोहित टेस्ट से संन्यास लेने वाले हैं। रोहित ने कहा है कि यह कोई संन्यास नहीं है और वह जल्द से जल्द पूरे दम के साथ वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ इस टेस्ट में नहीं खेल रहे हैं। रोहित ने कहा कि भारत के लिए सिडनी टेस्ट जीतना और बॉर्डर गावस्कर को रिटेन करना ज्यादा जरूरी था और टीम के हित में उन्होंने ये फैसला लिया। क्योंकि उनकी बैटिंग फॉर्म अच्छी नहीं थी। उनके लिए निजी हित से ज्यादा जरूरी टीम का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवां टेस्ट जीतना जरूरी था। मेरे दिमाग में चल रहा था कि आउट ऑफ फॉर्म खिलाड़ियों को ज्यादा मौके नहीं दे सकते। इसलिए मैं ये बात कोच और चयनकर्ताओं को बताऊं कि ये चीजें मेरे मन में चल रही हैं। उन्होंने मेरे फैसले की सराहना की और कहा कि आप इतने समय से खेल रहे हो और आपको पता है कि आप क्या कर रहे हो और क्या नहीं कर रहे हो।

एक मंच पर दिखे शरद पवार और भुजबल

» सावित्रीबाई फुले की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में दिखे एक साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के असंतुष्ट नेता छगन भुजबल महान शिक्षाविद् और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में एक मंच पर देखे गए। इसको लेकर महाराष्ट्र सियासी चर्चा भी जोरो पर होने लगी है। भुजबल ने इस अवसर पर कहा कि कई लोग उन्हें और शरद पवार को एक मंच पर देखकर आश्चर्यचकित हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन हम महात्मा फुले, शाहू महाराज और बाबासाहेब आंबेडकर जैसी महान हस्तियों के लिए हमेशा एक साथ आते रहेंगे।'

सियासी बहस बढ़ी

जुलाई 2023 में अजित पवार, भुजबल और कई अन्य नेताओं के महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार में शामिल होने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी दो हिस्सों में बंट गई थी। भुजबल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए जाने की वजह से उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पार्टी से नाराज हैं। पंद्रह दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह के बाद भुजबल ने मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने पर अजित पवार पर निशाना साधा था।

विधायकों ने की अजित और शरद को एक साथ आने की मांग

एनसीपी के दोनों गुटों अजित पवार और शरद पवार के कुछ विधायक और नेता दोनों एनसीपी के विलय की भी मांग कर रहे हैं। एनसीपी नेता और मंत्री नरहरि झिरवाल ने कहा कि अजित पवार की मां ने भगवान से प्रार्थना की कि शरद पवार और अजित पवार एक साथ आएं. हम भी यही प्रार्थना करेंगे। मैं दो-तीन दिन में शरद पवार से मिलूंगा और उन्हें बताऊंगा कि आप और अजित दादा को एकजुट होना चाहिए और पार्टी का विलय होना चाहिए। वहीं, एनसीपी के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि वे शरद पवार को अपना भगवान मानते हैं। अगर मैं हनुमान की तरह अपनी छाती चीर दूं, तो आप मेरे सीने में शरद पवार को देखेंगे। शरद पवार हमारी बात सुनेंगे और दोनों एक साथ आएंगे। भले ही हमारे राजनीतिक रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन हमारे मन में उनके लिए सम्मान है और रहेगा।

आईयूएमएल सांप्रदायिक ताकतों के आगे झुक रही : सीएम विजयन

» अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता बहुसंख्यक सांप्रदायिकता का समाधान नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) पर जमात-ए-इस्लामी और एसडीपीआई के साथ गठबंधन करके सांप्रदायिक ताकतों के सामने घुटने टेकने का आरोप लगाया। विजयन ने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की आवश्यकता पर बल दिया, लेकिन यह सांप्रदायिकता के सामने घुटने टेकने की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सुन्नी समुदाय ने जमात-ए-इस्लामी को हमेशा दूर रखा, लेकिन अब वे यूडीएफ के साथ सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता बहुसंख्यक सांप्रदायिकता का समाधान नहीं, क्योंकि दोनों एक दूसरे पर निर्भर हैं। मुस्लिम लीग ने सांप्रदायिक ताकतों के सामने घुटने टेक दिए हैं और यदि यह प्रवृत्ति जारी रही, तो ये ताकतें अंततः लीग को ही नष्ट कर देंगी।

आप के एक और ऐलान से विपक्ष परेशान

पूर्व सीएम बोले - पानी का बिल भरने की जरूरत नहीं, सरकार बनते ही करूंगा माफ, कांग्रेस और बीजेपी ने किया आप सरकार पर वार

» आप का प्रहार- बड़ी-बड़ी बातें करती है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में विस चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। शुक्रवार को पीएम मोदी के दिल्ली के लोगों को तोहफा देने के बाद शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी के लोगों से एक और वादा किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आप वापस सत्ता में आती है तो राष्ट्रीय राजधानी के लोगों के पानी के बढ़े हुए बिल माफ कर दिए जाएंगे। उससे पहले आप संयोजक ने पीएम मोदी के हमलो पर जवाब देते हुए कहा था कि भाजपा आप के कामों से घबरा गई है इसलिए उल्टेसीधे आरोप लगा रही है।

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में हमारी सरकार पिछले 10 वर्षों से लोगों को मुफ्त पानी उपलब्ध करा रही है। 12 लाख से अधिक परिवारों को 0 पानी का बिल मिलता है। लेकिन मेरे जेल जाने के बाद, मुझे नहीं पता कि इन लोगों ने क्या किया। उन्होंने कुछ गलत किया और लोगों को हर महीने हजारों-लाखों रुपए के पानी के बिल आने लगे। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा, बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में बड़ी-बड़ी बातें क. चार लाख झुग्गियां हैं और पांच साल में सिर्फ 4700 मकान बनाते हैं.मतलब इस हिसाब से 200 साल लगेंगे।

पंजाब की महिलाओं ने किया प्रदर्शन

पंजाब की महिलाओं के एक समूह ने दिल्ली में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए दावा किया कि पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान उनके द्वारा किए गए वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। इसको लेकर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस और बीजेपी पर वार किया है। उन्होंने कहा कि वे महिलाएं उनकी पार्टी की हैं। वे पंजाब से नहीं आये हैं, पंजाब की महिलाएं हमारे साथ हैं। उन्हें आम आदमी पार्टी पर भरोसा है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और भाजपा को आधिकारिक तौर पर घोषणा करनी चाहिए कि वे दिल्ली में आप के खिलाफ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं।

पीएम मोदी ने दिल्ली के लोगों का किया अपमान: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमला बोला। इसके जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों द्वारा प्रचंड बहुमत से मिली सरकार को पीएम मोदी ने गाली देने का काम किया है, उन्होंने ये भी कहा कि बीजेपी के पास न कोई चेहरा है और न ही एजेंडा है. अगर पांच हजार मोहल्ला क्लिनिक बनवाए होते तो आम आदमी पार्टी को कोई नहीं पूछता।

केजरीवाल ने कहा, आज पीएम मोदी दिल्ली आये थे। 43 मिनट का भाषण दिया जिसमें ज्यादा वक्त तक हमें और दिल्ली वालों को गाली देते रहे। 2015 में दिल्ली के लोगों ने दो सरकारें चुनी थी, कुछ मुद्दे एक सरकार के अधीन आते है कुछ दूसरी सरकार के केंद्र में बीजेपी और दिल्ली में आप की सरकार बनी, 10 साल में हमनें इतने काम किए कि बताने में कई घंटे लग जाएंगे। लेकिन जो बीजेपी की सरकार चुनी थी उसने एक भी ऐसा काम नहीं किया जो अपने 43 मिनट के भाषण में गिना सकते। इसले आज दिल्ली वालों को सिर्फ गाली देकर गए।

राजनिवास का भी आप पर हमला

फरिश्ते योजना को लेकर राजनिवास ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उपराज्यपाल कार्यालय का दावा है कि इस मामले में दिल्ली सरकार केवल राजनीति कर रही थी। योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को इलाज की सुविधा मिलती है। राजनिवास ने दावा किया कि दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने उपराज्यपाल कार्यालय के विरुद्ध 'फरिश्ते योजना' के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में दायर रिट याचिका को वापस ले लिया। इससे साफ होता है कि उनके दावे झूठे थे। साथ ही इस योजना को लेकर उपराज्यपाल कार्यालय और दिल्ली के स्वास्थ्य सचिव द्वारा अपनाए गए रुख को सही साबित करता है।

भाजपा की पहली सूची जारी, केजरीवाल के खिलाफ लड़ेंगे परवेश वर्मा

बीजेपी ने दिल्ली चुनाव 2025 के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। परवेश वर्मा नई दिल्ली विधानसभा सीट से आप के अरविंद केजरीवाल के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। वहीं, मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी से रमेश बिधूड़ी चुनाव लड़ेंगे। करोल बाग से दुष्यंत गौतम, राजौरी गार्डन से मनजिंदर सिंह सिरसा, बिजवासन से कैलाश गहलोत और गांधी नगर से अरविंदर सिंह लवली को टिकट दिया गया है।

कड़कड़ाती ठंड में भी धरने पर डटे किसान

» खनौरी बॉर्डर पर आज महापंचायत, अनशन पर बैठे डल्लेवाल देंगे संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जींद (हरियाणा)। खनौरी बॉर्डर पर किसान महापंचायत में किसानों का जमावड़ा लगातार बढ़ रहा है। घने कोहरे के कारण किसान देरी से पहुंचे, लेकिन अब बड़ी संख्या में किसान आयोजन स्थल पर पहुंच गए हैं। मंच से विभिन्न किसान नेता अपने विचार साझा कर रहे हैं। महापंचायत में करीब दोपहर 2 बजे प्रमुख किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल किसानों को संबोधित करेंगे।

महापंचायत में पंजाब और हरियाणा से किसान बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। जींद की ओर से भी किसान जत्थे के रूप में लगातार खनौरी बॉर्डर की ओर बढ़ रहे हैं। फिलहाल किसान नेताओं का मंच से संबोधन जारी है।

एमएसपी की कानूनी गारंटी, किसानों के हक और अधिकार, और आंदोलन की आगामी रणनीति पर चर्चा की जा रही है। कई संगठनों के नेता सरकार पर दबाव बनाने के लिए एकजुटता का आह्वान कर रहे हैं।

सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ नई मंडीकरण नीति को लेकर बैठक

किसानों और केंद्र के बीच गतिरोध खत्म करके बातचीत शुरू की जाए। पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह ने केन्द्रीय कृषि मंत्री से यह अपील की है। कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र ही किसानों को बातचीत के राजी कर सकता है। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ नई मंडीकरण नीति को लेकर बैठक की।

तमिलनाडु: सत्तूर इलाके में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, छह की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में विरुधुनगर जिले के सत्तूर इलाके में एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। विरुधुनगर जिले के सत्तूर इलाके में एक पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट के बाद लगभग छह लोगों की मौत हो गई। अग्निशमन एवं बचाव विभाग के अधिकारियों ने एएनआई को बताया कि विरुधुनगर जिले के सत्तूर इलाके में एक पटाखा निर्माण फैक्ट्री में विस्फोट हुआ।

शुरुआती जांच के मुताबिक, आशंका है कि विरुधुनगर के सत्तूर में पटाखा फैक्ट्री में मजदूर पटाखे बनाने के काम में लगे थे तभी यह विस्फोट हुआ है। इस बीच, पुलिस ने अभी तक मृत व्यक्तियों की पहचान की पुष्टि नहीं की है। प्रारंभ में, पुलिस ने तीन व्यक्तियों के शव बरामद किए और बाद में अन्य मृत व्यक्तियों के शव बरामद किए। वहीं एक दिन पहले कोयंबटूर में अविनाशी रोड फ्लाईओवर पर एक तरलीकृत पेट्रोलियम गैस टैंकर पलट गया, जिससे मामूली गैस रिसाव हो गया।

बांदा जेल में बंद रहे मुख्तार अंसारी की मौत पर फिर उठे सवाल

» सुप्रीम कोर्ट ने बेटे उमर अंसारी को मेडिकल जांच रिपोर्ट देने का दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांदा। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि मुख्तार अंसारी की मौत पर मेडिकल और मजिस्ट्रेट जांच रिपोर्ट उनके बेटे उमर अंसारी को सौंपी जाए। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और एसवीएन भट्टी की पीठ ने यह आदेश सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें दो सप्ताह की समयसीमा तय की गई है। 63 वर्षीय मुख्तार अंसारी की 28 मार्च, 2024 को बांदा स्थित अस्पताल में मौत हो गई थी। उनकी मौत हार्ट अटैक के कारण बताई गई।

मुख्तार पर 60 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या का मामला भी शामिल था।

परिवार ने जताई थी सुरक्षा की चिंता

मुख्तार के बेटे उमर अंसारी ने उनकी मौत से पहले सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर उनके जीवन पर खतरे की आशंका जताई थी। उन्होंने मुख्तार को यूपी से बाहर किसी अन्य जेल में स्थानांतरित करने की मांग की थी। उनकी मां ने भी इलाहाबाद हाईकोर्ट में मुख्तार की सुरक्षा बढ़ाने की याचिका दाखिल की थी। मुख्तार के भाई और सपा सांसद अफजाल अंसारी ने आरोप लगाया था कि उन्हें जेल में जहर दिया गया, लेकिन जेल प्रशासन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। डॉक्टरों और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मुख्तार की मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया।

प्रदेश के कई जिलों में सुबह से घना कोहरा

» मौसम विभाग ने शीतलहर का जारी किया अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड लोगों की कंपकंपी छुड़ा रही है। हवा में गलन ठिठुरन के साथ ही पूरब से पश्चिम तक छाया हुआ घना कोहरा लोगों की परेशानी और बढ़ा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार तक, दिन और रात के तापमान में आंशिक बढ़त के बाद सोमवार के बाद ठंड में फिर से इजाफा होगा। इसकी वजह एक और नया विकसित हो रहा पश्चिमी विक्षोभ बताया जा रहा है।

शनिवार को प्रदेश के आठ जिलों में शीत दिवस और 25 से ज्यादा जिलों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। तापमान में उतार चढ़ाव के बीच सोमवार को पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों और एनसीआर में बूंदाबांदी के आसार हैं। शुक्रवार को प्रदेश के तराई इलाकों समेत पश्चिम में गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, इटावा समेत 18 जिलों में मौसम विभाग की ओर से घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक का कहना है कि इधर दो तीन दिन, दिन और रात के तापमान में आंशिक बढ़त के बाद एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से सोमवार से फिर से तापमान में गिरावट आएगी और ठंड बढ़ेगी। 6 दिसंबर को पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों और एनसीआर में हल्की बारिश के आसार हैं। शुक्रवार को 4.6 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ कानपुर और इटावा सबसे ठंडा रहा। झांसी में सर्वाधिक 23.8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।